धमाका
डिस्काउंट ऑफर
Exchange & Finance Available
Zelo Electric Scooter
Maa Bhagwati Services & Enterprises
B. No. 23, Infront of IDBI Bank,
Neemuch 9407423966, 8770664866

मालवा फर्स्ट

MALWA FIRST

स्वाभिमान ही हमारा अभिमान है

Periodicity- Weekly

PRGI Reg. No. MPHIN/2023/90883

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा

नीमच, बुधवार

12 नवम्बर 2025

वर्ष - 03, अंक - 28 - मूल्य 02 रूपए

पृष्ठ - 04

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

Commodity: Gold 99,735 Silver 97,000 Crude Oil 5,963 Natural Gas 302.20 Aluminium 232.30 Copper 827.35

सरपंचों को हैं 25 लाख रूपए तक के कार्य कराने के अधिकार : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि त्रिस्तरीय पंचायतराज व्यवस्था में सरपंच के पास पर्याप्त शक्तियां हैं। सरपंच अपनी पंचायत को नई ऊंचाइयों पर लेकर जा सकते हैं। सरपंचों के माध्यम से ही प्रदेश में ग्राम विकास का कारवां चल रहा है। ग्राम स्तर पर सभी कल्याणकारी योजनाओं और विकास गतिविधियों का क्रियान्वयन पंचायतों के माध्यम से ही हो रहा है। पंचायत व्यवस्था को सशक्त करने के उद्देश्य से पंचायतों को 25 लाख रूपए तक के कार्य करने का अधिकार दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पंचायत प्रतिनिधियों को विकास कार्यों के लिए 50-50 हजार रुपए की राशि अंतरित किए जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि नगरीयनिकायों के समान पंचायतों में भी विकास योजनाएं बनाने और उन्हें क्रियान्वित करने की व्यवस्था सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। पंचायतों को गांव के विकास की योजना बनाने के लिये सक्षम बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि भोपाल में पंचायत प्रतिनिधियों की कॉन्फ्रेंस आगामी 24 से 26 नंवबर को होने वाली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को जंबूरी मैदान पर आयोजित सरपंच संयुक्त मोर्चा सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का कार्यक्रम स्थल पर भव्य स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को सरपंच संघों के प्रतिनिधियों द्वारा ज्ञापन सौंपा गया।

देश को प्रधानमंत्री श्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह की क्षमता पर है भरोसा – मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिल्ली में हुए कार विस्फोट को अत्यंत दुःखद बताया। उन्होंने मृतकों की आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन धारण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह की क्षमता पर भरोसा है। भारत सरकार ने आतंकवाद और नक्सलवाद को समूल नष्ट करने के लिए अभियान छेड़ रखा है।

पंचायतों को मिलेंगे कार्यालय और सामुदायिक भवन – मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने तीनों स्तर के पंचायत संस्थान के लिए कार्यालय और गांवों के लिए सामुदायिक भवन की व्यवस्था करने का निर्णय लिया गया है। इस अनुक्रम में प्रदेश की पंचायतों के लिए 2472 अटल पंचायत भवन, 1037 सामुदायिक भवन, 106 जनपद पंचायत भवन तथा 5 जिला पंचायत भवन स्वीकृत किए हैं। गांव के शांति धाम भी व्यवस्थित रूप से विकसित हों, इस उद्देश्य से दिसम्बर 2026 तक सभी शांति धाम अतिक्रमण से मुक्त कर उनके पहुंच मार्ग बनाने और आवश्यक फेंसिंग और पौधरोपण कार्य के निर्देश दिए गए हैं। सुदृढ़ पंचायत राजव्यवस्था के माध्यम से आत्मनिर्भर पंचायत व समृद्ध मध्यप्रदेश के पथ पर राज्य सरकार पंचायत प्रतिनिधियों के सहयोग से अग्रसर है।

युवाओं को उद्यानिकी और खाद्य प्रसंस्करण का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है – मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में रोजगार आधारित उद्योग स्थापित किए जा रहे हैं। वर्ष-2026 को कृषि आधारित उद्योग वर्ष के रूप में घोषित किया जाएगा।कृषि उत्पादों के निर्माण के लिए कृषि और खाद्यान्न आधारित उद्योगों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। पंचायतों के माध्यम से लघु उद्योग, कुटीर उद्योग और रोजगार उद्योग स्थापित करने के लिए भी गतिविधियां जारी हैं। किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से सब्जी और अन्य फसलों के लिए खाद्य प्रसंस्करण इकाईयां खोली जा रही हैं। युवाओं को उद्यानिकी और खाद्य प्रसंस्करण का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। हमारी कोशिश है कि किसानों को हर फसल का उचित दाम मिले।

मध्यप्रदेश कैबिनेट मीटिंग में लिया गया बड़ा फैसला

लाड़ली बहनों को आज से मिलेंगे 1500 रुपये

भोपाल 10 नवम्बर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश कैबिनेट बैठक में लाड़ली बहना योजना की 30वीं किस्त के रूप में 1500 रुपए की राशि दी जाएगी। सीएम मोहन यादव ने इस प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी है। भोपाल के वल्लभ भवन में हुई इस बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने की। मंत्रालय में सोमवार को सुबह हुई मोहन कैबिनेट की बैठक में कई प्रस्तावों को मंजूरी मिल गई। कैबिनेट के फैसलों की जानकारी मंत्री चेतन्य कश्यप ने मीडिया को दी। कश्यप ने बताया कि कैबिनेट बैठक में सीएम मोहन यादव ने प्रस्ताव पर मुहर लगाते हुए कहा कि अब हर महीने लाड़ली बहनों के खातों में 1500 रुपए भेजे जाएंगे। 20 हजार 450 करोड़ 99 लाख का व्यय होगा मार्च 2023 से एक हजार रुपए के साथ लाडली बहना योजना शुरू की गई थी।

इसके बाद सितंब 2023 से 1,250 रुपए दिए जा लगे। इस योजना में 250 रुप बढ़ाकर नवंबर 2025 से 150 रुपए प्रति माह कर दिया गया। 250 रुपए बढ़ाए जाने से वित्ती वर्ष 2025-26 में 1,793 करो 75 लाख रुपए के अतिरिक्त बज की आवश्यकता होगी। वित्ती वर्ष 2025-26 के लिए 20,45 करोड़ 99 लाख रुपए संभावि व्यय होगा।

ओंकारेश्वर के लिए क्या हुआ फैसला – कैबिनेट बैठक ओंकारेश्वर में एकात्म धाम के लि भी अहम फैसला हुआ। एकार धाम परियोजना अंतर्गत किए जा वाले कार्यों के लिए सूचकांक में इ देने और आचार्य शंकर संग्रहाल 'अद्वैत लोक' के निर्माण के लि पुनरीक्षित लागत 2424 करोड़ 36 लाख रुपए की स्वीकृति दी गई।

न्यायालय में होगी भर्ती कैबिनेट बैठक में न्यायालय में भर्ती का भी फैसला लिया गया। खण्डवा की मांधाता तहसील में व्यवहार न्यायाधीश, कनिष्ठ खण्ड के न्यायालय के लिए व्यवहार न्यायाधीश, कनिष्ठ खण्ड श्रेणी का एक नवीन पद तथा अमले अतर्गत तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के 6 पद, इस तरह कुल 7 नवीन पदों के सृजन एवं अनुमानित वित्तीय भार 52 लाख 76 हजार रुपए प्रतिवर्ष की स्वीकृति दी गई।

सोलर रूफटॉप संयंत्र की स्वीकृति प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में जिले के सभी शासकीय भवनों पर रेस्को पद्धति से सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापना की स्वीकृति दी गई। भारत सरकार के निर्देशानुसार सभी शासकीय भवनों को सौर ऊर्जाकृत किए जाने के उद्देश्य से राज्य शासन के भवनों की छतों पर रेस्को पद्धति से सोलर रूफटॉप संयंत्र लगाए जाएंगे। शासकीय विभागों को इन सौर परियोजनाओं में कोई निवेश नहीं करना होगा। शासकीय कार्यालयों द्वारा ऊर्जा के उपयोग के लिए रेस्को विकासक को प्रति यूनिट भुगतान करना होगा।

भावांतर योजना को लेकर भी घोषणा मोहन सरकार की कैबिनेट बैठक में भावांतर योजना को लेकर भी घोषणा की गई। रजिस्टर्ड किसानों के खातों में सोयबीन की फसल के भावों में रहे अंतर की राशि को भी सिंगल क्लिक में किसानों के खातों में भेजा जाएगा। ये राशि 13 नवंबर से भेजी जाएगी।

हर दिन आएगा भावान्तर का रेट, खातों में आएंगे 300 करोड़ बता दें कि पहले निर्धारित किया गया था कि भावांतर योजना को 14 दिन के अंदर पहला मॉडल रेट निकाला जाएगा। लेकिन अब कैबिनेट बैठक में फैसला लिया गया है कि इसे नियमित रूप से प्रतिदिन जारी किया जाएगा। पहला भावांतर रेट 4036 का निकाला गया था।

अब 13 नवंबर को मुख्यमंत्री देवास से 1 लाख 32 हजार किसानों को 300 करोड़ रुपए का भुगतान करेंगे।

कर्नाटक के राज्यपाल श्री थावरचंद गहलोत ने हरकियाखाल बालाजी के दर्शन किए

नीमच। कर्नाटक के राज्यपाल महामहिम श्री थावरचंद गहलोत ने नीमच जिले के प्रवास के दौरान मंगलवार को नीमच जिले के सुप्रसिद्ध बालाजी धाम हरकियाखाल बालाजी मंदिर में भगवान बालाजी की पूजा अर्चना कर बालाजी के दर्शन किए। इस मौके पर नीमच विधायक श्री दिलीपसिंह परिहार, श्री संतोष चौपड़ा, जिला अअध्यक्ष श्रीमती वंदना खण्डेलवाल, श्री निलेश पाटीदार एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्री अशोक खींची व अन्य जनप्रतिनिधि ने महामहिम राज्यपाल का पुष्पगुच्छ भेटकर स्वागत किया।

जिला प्रशासन की ओर से जि.प.सीईओ श्री अमन वैष्णव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नवलसिह सिसोदिया, एसडीएम श्री संजीव साहू ने महामहिम राज्यपाल के मंदिर पहुंचने पर अगवानी कर पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। इस मौके पर जनप्रतिनिधि, पंचायतों के पदाधिकारी एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

सरदार पटेल की प्रतिमा पर सांसद, विधायक एवं कलेक्टर ने किया माल्यार्पण

नीमच (निप्र)। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में सी.आर.पी.गेट नीमच पर लौह पुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में सांसद सुधीर गुप्ता, पूर्व मंत्री एवं जावद क्षेत्र के विधायक ओमप्रकाश सखलेचा, नीमच क्षेत्र के विधायक दिलीप सिंह परिहार एवं कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने देश की अखण्डता एवं एकता में लोह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल के योगदान का स्मरण करते हुए उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ अमन वैष्णव, एसडीएम संजीव साहू, जिला अध्यक्ष श्रीमती वंदना खण्डेलवाल, सांसद प्रतिनिधि सत्यनारायण गोयल, नीलेश पाटीदार, संतोष चौपड़ा, पार्षदगण, जनप्रतिनिधिगण एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे ।

आज से चल सकती है तीव्र शीतलहर

भोपाल। मध्य प्रदेश में उत्तर-पश्चिम से आ रही ठंडी और शुष्क हवाओं के कारण ठंड का दौर जारी है। सोमवार को दिन के साथ रात में भी तापमान का ग्राफ तेजी से नीचे गिरा। इस दौरान सुबह 8:30 बजे तक भोपाल, राजगढ़, इंदौर और शहडोल में शीतलहर चली। इंदौर का न्यूनतम तापमान 7.9 डिग्री सेल्सियस और भोपाल का 8.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि जबलपुर और ग्वालियर में न्यूनतम तापमान 10.2 और 10.5 डिग्री रहा। मौसम विभाग के अनुसार राजस्थान से आ रही ठंडी हवाओं का असर मंगलवार से और बढ़ेगा। शाजापुर, सीहोर, बैतूल, छतरपुर, पन्ना और रीवा-सतना आदि जिलों में भी शीतलहर चलने की आशंका है। आज भोपाल, राजगढ़ और इंदौर में तीव्र शीतलहर चल सकती है।

नीमच के हरवार की पूजा जाट बनीं डीएसपी

नीमच। जिले के जीरन तहसील के ग्राम हरवार की निवासी पूजा जाट ने उप पुलिस अधीक्षक (डीएसपी) पद पर चयनित होकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उन्होंने मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) परीक्षा 2024 में सफलता प्राप्त की है। पूजा के पिता बलवीरसिंह जाट एक साधारण किसान है, जबकि उनकी माला गृहिणी हैं और कृषि कार्यों में सहयोग करती हैं। पूजा की इस उपलब्धि से पूरे हरवार गांव और जीरन क्षेत्र में खुशी का माहौल है।पूजा ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा गांव हरवार के प्राथमिक विद्यालय से प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने जीरन स्कूल से आगे की पढ़ाई पूरी की और नीमच कॉलेज से स्नातक की डिग्री हासिल की। सरकारी स्कूलों में अध्ययन करने के बावजूद, पूजा ने अपने दृढ़ संकल्प और निरंतर परिश्रम से यह मुकाम हासिल किया। पूजा के भाई आनंद जाट ने बताया कि उनकी बहन की सफलता की खबर गांव में पहुंचते ही पूरे क्षेत्र में हर्ष का संचार हो गया। गांव के लोगों ने पूजा की इस उपलब्धि पर गर्न व्यक्त करते हुए कहा कि वह क्षेत्र की अन्य बालिकाओं के लिए प्रेरणास्रोत बन गई हैं।

प्रदूषण और जीरो वेस्ट डिस्चार्ज की सिर्फ बातें ही बन कर ना रह जाए...?

धानुका के एथेनॉल प्लांट से क्या हवा में प्रदुषण नही खुशबू महक रही है... !

✍️ ऐश्वर्य शर्मा (पवन)

नीमच । इन दिनों मोरवन क्षेत्र में लगने वाली एक कपड़ा फैक्ट्री के विरोध में वहां के स्थानीय लोगों द्वारा लगातार विरोध किया जा रहा है। स्थानीय रहवासियों द्वारा लगातार इस बात को बुलंद किया जा रहा है कि फैक्ट्री लगने से उससे निकलने वाले रासायनिक पानी और धुवें से प्रदूषण होने की संभावना है! जो उनके स्वास्थ्य व मोरवन बांध के पानी को दूषित करेगा! उससे निकलने वाला धुंवा उनके जीवन को नर्क बना देगा! इसी के विरोध में पिछले 1 माह से उस क्षेत्र की जनता उस फैक्ट्री का विरोध कर रही है।

क्या वास्तव में ऐसा होगा...? क्या वास्तव में फैक्ट्री से कोई धुंवा निकलेगा...? क्या वाकई में जहरीला पानी निकलेगा...? यह तो फैक्ट्री लगने के बाद पता चलेगा...?

अभी एमपीआईडीसी के आला अधिकारियों द्वारा निरंतर ज़ीरो वेस्ट डिस्चार्ज की बात कही जा रही है...? ज़ीरो वेस्ट डिस्चार्ज यानी लगभग 40 लाख से 25 करोड़ की लागत (पानी के उपयोग के हिसाब से) से बनने वाला वेस्ट डिस्चार्ज प्रॉसेसिंग यूनिट है जिसमे शून्य प्रतिशत गंदा पानी बाहर जाता है।

ऐसे ही हवा के शुद्धिकरण के लिए भी स्क्रबर्स, फिल्टर, CEMS सिस्टम लगाना होता है, जिससे जहरीली गैस, हवा से प्रदूषण ना हो, उससे किसी तरह की बदबू ना निकले। मोरवन में लगने वाली फैक्ट्री का तो पता नही पर नीमच शहर के चारों तरफ से बेहद मनमोहक और स्वास्थ्यवर्धक महक नीमच के लोगों को अपनी ओर खींच रही है! नीमच चारों ओर से बस रोजाना अब एथेनॉल प्लांट की खुशबू से मन मदमस्त हो जाता है। नीमच के चौथखेड़ा, झांझरवाड़ा धानुका के प्लांट से निकलने वाली महक अब लोगों के लिए आम हो चली है। यह सब इस लिए क्योंकि स्वास्थ्य से बढ़कर रोजगार है? विकास है? किसी को कोई हानि नही है? सब ठीक है? सब नियम में है?

एथेनॉल प्लांट के लिए भी – Zero Liquid Discharge System, Air Pollution Control (ESP/Scrubber), Environmental Clearance (EC), Consent to Establish & Operate, Continuous Online Monitoring (CEMS/CEQMS), Green Belt (33%), Hazardous Waste Disposal, Fire & Safety Compliance यह सब अनिवार्य शर्तें होती है। यह सब शर्तें कागजों में पूर्ण है? वार्षिक रिपोर्टों में भी सब ok है? रिपोर्टों में गंदी हवा नही निकल रही है? सब ठीक है?

क्या हर बार परिषद सम्मेलन हंगामा करने से हो जाएगा शहर विकास... शहर विकास के लिए एक जुटाता जरूरी हंगामा नही

✍️ ऐश्वर्य शर्मा (पवन)

शानदार और जानदार शहर नीमच... अच्छे लोग... अच्छी बोली... अच्छा व्यवहार... अपनत्व के भाव... यही सब इस शहर की पहचान रही है। भाजपा हो या कांग्रेस सभी राजनीतिक दलों ने मिलकर इसे तहसील से जिला मुख्यालय तक लाया। शहर में देश भर के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों को अपने अपनत्व और प्रेम से अभिभूत किया। लेकिन पिछले कुछ समय से शहर विकास के लिए अत्यंत आवश्यक नगरपालिका परिषद के सम्मेलनों में बस हंगामा होना अब आम हो गया है। हर बात पर अड़ना हर बात पर विरोध करना बस यही और यूंही चल रहा है। नगर पालिका अध्यक्ष का विरोध करते करते अब शहर हितों में आए हर मुद्दों पर अड़ंगा डाला जा रहा है। विपक्ष के कुछ पार्षदों ने अब शहर के जनहित को ही दरकिनार करना शुरू कर दिया है। परिषद के सम्मेलन में अब सिर्फ स्वार्थ की बहस और व्यक्तिगत द्वेषता ही दिखाई देती है। जनता जाए भाड़ में हमे तो बस हमारी बात करनी है। मर्यादा की सारी हदें लांघकर अपशब्दों की बौछार की जा रही है। यह सब अपने शहर का

स्वभाव कभी नही रहा। यहां तो सब एक दूसरे से प्रेम और व्यवहार निभाते रहे थे। हर कोई अधिकारी या बाहरी जनप्रतिनिधि मालवा के नीमच की माटी की तारीफ किये नही रहता था। लेकिन अब वो प्रेम नही रहा अब वो एकता नही रही। पहले परिषदों में विरोध की जगह विरोध होता था, तगड़ी बहस भी होती थी। लेकिन परिषद की गरिमा नही गिराई जाती थी।

परिषद में आजकल तो भाजपा की अध्यक्ष पर भाजपा के ही कुछ पार्षद प्रोटोकॉल से बाहर जाकर आचरण करते दिख रहे है। मानो ऐसा लगता है जैसे भाजपा की अध्यक्ष के लिए एक नही दो-दो विपक्ष है। कुछ कांग्रेस के तो कुछ भाजपा के ही पार्षद सम्मेलन में हा-हुल्लड़ करने में जुटे है। परिषद के सम्मेलनों को तो छोड़ो अब तो पिछले कुछ समय से हालात ये हो गए है कि शहर के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा और निर्णय लिए जाते हैं ऐसी पीआईसी की बैठकों में भी ज्यादातर सभापति गायब रहते है। ऐसे में शहर के जनहित के कार्यों को कैसे अंजाम दिया जाएगा? भाजपा एक अनुशासनात्मक पार्टी है, ऐसे में भाजपा अपने ही ऐसे सभापतियों और पार्षदों पर कोई ठोस कार्रवाई क्यों नही करती..? आखिर यह सब क्या ऐसे ही चलता रहेगा या शहर के लोगों को तमाशबीन बन इस हो-हंगामे का खामियाजा भुगतना पड़ता रहेगा।

शासकीय शिक्षकों की सेवा संबंधी समस्याओं के निराकरण के लिये लगेंगे शिविर

भोपाल । स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि प्रदेश में शासकीय शिक्षकों की सेवा संबंधी समस्याओं के निराकरण के लिये शिविर लगाये जायेंगे। यह शिविर संभाग, जिला और विकासखण्ड स्तर पर लगाये जायेंगे। समस्याओं के निराकरण के लिये संबंधित अधिकारी त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे। लगाये गये शिविरों की राज्य स्तर पर भी समीक्षा की जायेगी। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने यह बात मंगलवार को मंत्रालय में विभिन्न शिक्षक संघों के पदाधिकारियों से चर्चा के दौरान कही। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि राज्य सरकार शासकीय स्कूलों में पदस्थ शिक्षकों की समस्याओं के निराकरण के लिये संवेदनशील है। प्रदेश के शासकीय स्कूलों में 4 लाख शिक्षक कार्यरत हैं। इनमें अतिथि शिक्षक भी शामिल हैं।

अनुकम्पा नियुक्ति के प्रकरणों के निराकरण में होगी त्वरित कार्यवाही – मंत्री श्री सिंह ने कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग में दिवंगत शिक्षकों के परिवार के अनुकम्पा नियुक्ति के प्रकरणों के निराकरण में त्वरित कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने कहा कि इन पदों पर नियुक्ति के समय प्रशिक्षण, डीएड एवं बीएड की अनिवार्यता को समय अवधि निश्चित करते हुए संतोषजनक रास्ता निकाला जायेगा। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिये निचले स्तर के शिक्षकों को शामिल करते हुए उनके प्रशिक्षण की व्यवस्था की जायेगी। इसमें शिक्षक संघों की सहभागिता भी सुनिश्चित की जायेगी। बैठक में शिक्षकों को चतुर्थ समयमान और क्रमोन्नत वेतनमान दिये जाने संबंधी बिन्दु पर भी चर्चा की गयी।

संतुलन, संयम और सक्रियता जयशंकर की पहचान...

निकाल दिया भारत–अमेरिका रिश्तों में आई 'समस्या' का समाधान!

नीरज कुमार दुबे

जयशंकर और रुबियो की यह वार्ता ऐसे समय में हुई जब दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते के पहले चरण की वार्ता लगभग अंतिम दौर में है। पांच चरण पूरे हो चुके हैं और सूत्रों के अनुसार समझौता 'बहुत जल्द' होने वाला है।

भारत और अमेरिका के बीच बीते कुछ महीनों से जो आर्थिक और रणनीतिक असहमति का दौर चल रहा है, उसने दोनों देशों के 'स्वाभाविक साझेदारी' वाले रिश्ते पर गहरा असर डाला है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाना इस तनाव का चरम बिंदु रहा। भारत ने इसे 'अनुचित, असंगत और अविवेकपूर्ण' करार दिया। किंतु कूटनीति का मूल्य संकट के समय ही मापा जाता है और यही बात कुआलालंपुर में आसियान शिखर सम्मेलन के इतर विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की मुलाकात में स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

जयशंकर और रुबियो की यह वार्ता ऐसे समय में हुई जब दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते के पहले चरण की वार्ता लगभग अंतिम दौर में है। पांच चरण पूरे हो चुके हैं और सूत्रों के अनुसार समझौता 'बहुत जल्द' होने वाला है। यह संकेत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि भारत-अमेरिका व्यापारिक तनाव का असर सिर्फ द्विपक्षीय नहीं बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और हिंद-प्रशांत की आर्थिक स्थिरता पर भी पड़ रहा है। भारत की ओर से यह कोशिश स्पष्ट दिख रही है कि वह न केवल शुल्क विवाद को सुलझाना चाहता है, बल्कि व्यापक आर्थिक सहयोग को फिर से गति देना चाहता है।

रुबियो ने भी अपने बयान में यह स्वीकार किया कि भारत 'हमारा ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण सहयोगी' है। उन्होंने पाकिस्तान के साथ अमेरिका के संबंधों को लेकर उठे सवालों पर सफाई देते हुए कहा कि 'हम पाकिस्तान के साथ रिश्ते भारत की कीमत पर नहीं बढ़ा रहे।' यह वक्तव्य अमेरिकी विदेश नीति के उस द्वंद्व को भी रेखांकित करता है, जिसमें वाशिंगटन इस्लामाबाद को फिर से अपनी रणनीतिक गणना में शामिल करना चाहता है, लेकिन नई दिल्ली की संवेदनशीलता को भी नजरअंदाज नहीं कर सकता।

देखा जाये तो अमेरिका और पाकिस्तान के बीच पिछले कुछ

महीनों में बढ़ती निकटता भारत के लिए चिंता का विषय रही है, खासकर तब जब ट्रंप प्रशासन ने मई में भारत-पाकिस्तान सीमा संघर्ष के बाद पाक सेना प्रमुख आसिम मुनीर से सीधी वार्ता की। अमेरिका का यह दावा कि ट्रंप ने 'संघर्ष विराम में मध्यस्थता' की, नई दिल्ली के लिए अस्वीकार्य रहा। रुबियो ने भले ही यह स्पष्ट किया कि पाकिस्तान के साथ बढ़ते संबंध 'भारत की कीमत पर नहीं होंगे', लेकिन कूटनीति में ऐसी पंक्तियाँ आश्वासन से अधिक संकेतों का माध्यम होती हैं। भारत के लिए संदेश साफ है कि वाशिंगटन अपनी क्षेत्रीय रणनीति में इस्लामाबाद को पूरी तरह अलग नहीं करेगा, पर नई दिल्ली को साझेदारी में बराबरी का दर्जा देने की कोशिश जारी रखेगा।

साथ ही रुबियो की टिप्पणी कि 'भारत ने पहले ही तेल खरीद में विविधता लाने की इच्छा व्यक्त की है' यह दर्शाती है कि अमेरिका अब भारत के ऊर्जा निर्णयों पर सीधे दबाव डालने के बजाय संवाद का रास्ता अपना रहा है। यह एक व्यावहारिक बदलाव है। रूस से सस्ता तेल खरीदना भारत के लिए महज ऊर्जा नीति नहीं, बल्कि आर्थिक स्थिरता का प्रश्न है। जयशंकर बार-बार यह दोहरा चुके हैं कि 'भारत अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप निर्णय लेता है।' इस पृष्ठभूमि में रुबियो की भाषा अपेक्षाकृत संयमित और यथार्थपरक दिखी, जो बताती है कि अमेरिका भारत की स्वायत्त विदेश नीति को धीरे-धीरे स्वीकार करने की दिशा में है।

इसके अलावा, जयशंकर की मलेशिया, सिंगापुर, थाईलैंड और दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रियों से हुई अलग-अलग बैठकों का महत्व भी इसी संदर्भ में समझा जाना चाहिए। आसियान भारत की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' का प्रमुख स्तंभ है और चीन के बढ़ते प्रभाव के बीच भारत इस मंच को अपने रणनीतिक संतुलन के रूप में देखता है। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से मुलाकात, सिंगापुर के विवियन बालाकृष्णन के साथ क्षेत्रीय सुरक्षा पर चर्चा और कोरिया के साथ सेमीकंडक्टर व रक्षा सहयोग पर वार्ता, ये सब भारत की बहुध्रुवीय कूटनीति की झलक हैं।

जयशंकर का यह संदेश स्पष्ट है कि भारत किसी एक ध्रुव– चाहे वह अमेरिका हो या रूस, पर निर्भर नहीं रहना चाहता। बल्कि वह एशिया और इंडो-पैसिफिक में अपने साझेदारों के साथ मिलकर एक समावेशी सुरक्षा व आर्थिक ढाँचा बनाना चाहता है।

देखा जाये तो भारत-अमेरिका संबंधों की सबसे बड़ी विशेषता यही रही है कि संकट के दौर में भी संवाद के पुल टूटते नहीं। चाहे वह 1998 के परमाणु परीक्षण हों या आज के शुल्क विवाद, हर बार दोनों देशों ने कूटनीतिक विवेक से संबंधों को संभाला है। जयशंकरझरुबियो वार्ता भी उसी परंपरा का विस्तार है। दोनों नेताओं के बयान यह संकेत देते हैं कि मतभेदों के बावजूद 'मित्रता' की भाषा कायम है। रुबियो का यह कहना कि 'भारतीय कूटनीति परिपक्व और व्यावहारिक है' दरअसल भारत की वैश्विक स्थिति की स्वीकारोक्ति है। वाशिंगटन अब यह समझ रहा है कि नई दिल्ली को केवल रणनीतिक भागीदार के रूप में नहीं, बल्कि एक स्वतंत्र शक्ति केंद्र के रूप में स्वीकार करना होगा।

साथ ही कुआलालंपुर की मुलाकात को सिर्फ एक औपचारिक राजनयिक घटना मानना भूल होगी। जयशंकर ने जिस संतुलन, संयम और सक्रियता के साथ आसियान मंच का उपयोग किया, वह दर्शाता है कि भारत आज केवल प्रतिक्रियात्मक कूटनीति नहीं कर रहा, बल्कि अपनी शर्तों पर वैश्विक संवाद को आकार दे रहा है। वहीं, रुबियो का संयमित स्वर बताता है कि अमेरिका भी भारत को अब सिर्फ एक 'पार्टनर' नहीं बल्कि एक 'पोल', यानी शक्ति के स्वतंत्र केंद्र, के रूप में देखने को तैयार हो रहा है। तनाव भले ही बाकी हों, पर संवाद जारी है और यही किसी भी परिपक्व साझेदारी की असली कसौटी होती है।

संपादकीय

आसियान में मोदी की गैरहाजिरी

दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संगठन, आसियान का शिखर सम्मेलन मलेशिया में होने जा रहा है। जिसमें इस बार भारत की तरफ से प्रधानमंत्री मोदी शामिल नहीं हो रहे हैं, उनका प्रतिनिधि बनकर एस जयशंकर पहुंच रहे हैं। श्री मोदी की गैरहाजिरी को लेकर कोई ठोस कारण अब तक सामने नहीं आया है कि फलां-फलां वजह से मलेशिया पहुंचना बिल्कुल ही असंभव था। हालांकि कांग्रेस पार्टी का कहना है कि ट्रंप से आमना-सामना न हो, इससे बचने के लिए नरेन्द्र मोदी आसियान में नहीं गए। वहीं हो सकता है कि बिहार चुनाव की व्यस्तता भी मोदी को देश के लिए जरूरी कामों से दूर कर रही है। प्रधानमंत्री का काम छोड़कर बीजेपी के लिए चुनाव प्रचार करने का काम मोदी पहले भी करते रहे हैं। बहरहाल, आसियान जैसे मंच क्षेत्रीय और वैश्विक राजनीति में अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए जरूरी होते हैं। मोदी बार-बार भारत को विश्वगुरु बनाने की बात करते हैं, लेकिन सोचने वाली बात है कि क्या इस तरह भारत का रसूख कायम होगा। विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्ष जब आपस में मिलते हैं तो जरूरी मुद्दों पर चर्चा होती है, कई ऐसे समझौतों की राह बनती है, जो फोन पर चचाओं में संभव नहीं है। अमेरिका से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी मलेशिया पहुंचे हैं और रास्ते में वो कतर होते हुए आए। दुनिया के दूसरे कोने से ट्रंप बार-बार एशिया का रुख कर रहे हैं, क्योंकि यहां उन्हें व्यापारिक, राजनैतिक, सामरिक लाभ नजर आ रहे हैं। रविवार सुबह ट्रंप रविवार सुबह मलेशिया के दौरे पर पहुंचे और कुआलालंपुर में उनकी मौजूदगी में थाईलैंड और कम्बोडिया ने सैन्य संघर्ष को खत्म करने के लिए शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। ट्रंप ने कहा कि जिसे लोग असंभव मान रहे थे, उसे उन्होंने संभव कर दिखाया है। गौरतलब है कि थाईलैंड और कम्बोडिया के बीच एक मंदिर विवाद को लेकर 5 दिनों तक जंग चली थी, जिसमें 48 लोगों की मौत हुई थी। इसे खत्म करने में ट्रंप की अहम भूमिका बताई जा रही है। ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में रणनीतिक तौर पर खुद को शांतिदूत साबित करने में लगे हुए हैं। भारत-पाकिस्तान के बीच भी युद्ध रुकवाने का दावा कम से कम 50 बार तो कर ही चुके हैं, जिसे मोदी ने गलत साबित करने की पुख्ता कोशिश एक बार भी नहीं की। उधर रूस से तेल खरीद को रोकने के लिए भी ट्रंप भारत पर दबाव बनाने की बात कह रहे हैं। मोदी इसे भी नकार नहीं रहे। ऐसा नहीं है कि ट्रंप बड़ी नेकनीयत से ये सारे काम कर रहे हैं। शांति का उनका विचार गांधी और नेहरू के विचारों से दूर-दूर तक मेल नहीं खाता है। ट्रंप दबाव की राजनीति में यकीन रखते हैं और दुनिया पर वही थोप रहे हैं। अगर भारत की मौजूदा सरकार गांधीवादी सिद्धांतों और नेहरूवादी रणनीति के साथ बढ़ती तो ट्रंप की हिम्मत नहीं होती कि वो इतनी बेतकल्लुफी के साथ भारत के प्रधानमंत्री के लिए बयान देते। लेकिन अभी की शर्मनाक हकीकत यही है। ट्रंप शांतिदूत वाले चोगे को पहनकर बड़ी चतुराई से भारत को अलग-थलग कर रहे हैं। पाकिस्तान पूरी तरह से ट्रंप की सरपरस्ती में है, अब मलेशिया में ट्रंप की मुलाकात चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से होने वाली है। चीन भी भारत के खिलाफ पाकिस्तान को समर्थन देता है और अब व्यापार के फायदे को देखते हुए अमेरिका और चीन बाकी विवादों को सुलझा लेंगे, तब भारत के लिए खतरे कितने बढ़ जाएंगे, इस बात पर मोदी सरकार को ध्यान देना चाहिए। भारत पर तो अमेरिका ने भारी भरकम टैरिफ लगा ही दिया है, इसके अलावा एच 1 बी वीजा को भी इतना कठिन कर दिया है कि हजारों परिवार इससे प्रभावित हो गए हैं।

चिंतन-मनन

प्रायश्चित ही कर्म फल से मुक्ति का आधार है

यह ठीक है कि जिस व्यक्ति के साथ अनाचार बरता गया अब उस घटना को बिना हुई नहीं बनाया जा सकता। सम्भव है कि वह व्यक्ति अन्यत्र चला गया हो। ऐसी दशा में उसी आहत व्यक्ति की उसी रूप में क्षति पूर्ति करना सम्भव नहीं। किन्तु दूसरा मार्ग खुला है। हर व्यक्ति समाज का अंग है। व्यक्ति को पहुँचाई गई क्षति वस्तुतः प्रकारान्तर से समाज की ही क्षति है। उस व्यक्ति को हमने दुष्कर्मों से जितनी क्षति पहुँचाई है उसकी पूर्ति तभी होगी जब हम उतने ही वजन के सत्कर्म करके समाज को लाभ पहुँचाये। समाज को इस प्रकार हानि और लाभ का बैलेन्स जब बराबर हो जायेगा तभी यह कहा जायेगा कि पाप का प्रायश्चित हो गया और आत्मग्लानि एवं आत्मप्रताड़ना से छुटकारा पाने की स्थिति बन गई।

सस्ते मूल्य के कर्मकाण्ड करके पापों के फल से छुटकारा पा सकना सर्वथा असम्भव है। स्वाध्याय, सत्संग, कथा, कीर्तन, तीर्थ, व्रत आदि से चित्त में शुद्धता की वृद्धि होना और भविष्य में पाप वृत्तियों पर अंकुश लगाने की बात समझ में आती है। धर्म कृत्यों से पाप नाश के जो माहात्म्य शास्त्रों में बताये गये हैं उनका तात्पर्य इतना ही है कि मनोभूमि का शोधन होने से भविष्य में बन सकने वाले पापों की सम्भावना का नाश हो जाये। ईश्वरीय कठोर न्याय व्यवस्था में ऐसा ही विधान है कि पाप परिणामों की आग में जल मरने से जिन्हें बचना हो वे समाज की उत्कृष्टता बढ़ाने की सेवा-साधना में संलग्न हों और लदे हुए भार से छुटकारा प्राप्त कर शान्ति एवं पवित्रता की स्थिति उपलब्ध कर लें।

लौह पुरूष सरदार श्री पटेल युवाओं के आईकॉन हैं-श्री गुप्ता

प्रदेश सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है-श्री सखलेचा

नीमच । लौह पुरूष सरदार श्री वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में सोमवार को सांसद श्री सुधीर गुप्ता के नेतृत्व में धनेरिया कला से नीमच शहर तक वृहद यूनिटी मार्च पदयात्रा आयोजित की गई। एक भारत, आत्मनिर्भर भारत पदयात्रा के दौरान शासकीय जाजू कन्या महाविद्यालय नीमच में सांसद श्री सुधीर गुप्ता, जावद विधायक श्री ओमप्रकाश सखलेचा, नीमच विधायक श्री दिलीप सिह परिहार, जनपद अध्यक्ष श्रीमती शारदाबाई धनगर, नीमच न.पा. अध्यक्ष श्रीमती स्वाति चौपड़ा एवं जिला अध्यक्ष श्रीमती वंदना खण्डेलवाल की उपस्थिति में महिला सम्मेलन तथा भारतमाता चौराहे पर युवा सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधिगण, पार्षदगण, त्रिस्तरीय पंचायतों के पदाधिकारी, युवा एवं बडी संख्या में मातृशक्ति तथा आमजन उपस्थित थे।

सांसद श्री सुधीर गुप्ता ने अपने उदबोधन में कहा, कि केंद्र एवं प्रदेश की डबल इंजन की सरकार महिलाओं एवं युवाओं के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होने कहा,कि लौह पुरूष

श्री पटेल युवाओं के आईकॉन है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी भी सरदार श्री वल्लभ भाई पटेल को अपना आर्दश मान कर कार्य कर रहे है। देश में एक लाख स्व सहायता समूहों से अनेको महिलाएं जुड़ी है, लखपति दीदी, बैंक सखी, ड्रोन दीदी बनकर, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही है। जावद क्षेत्र के विधायक श्री ओमप्रकाश सखलेचा ने कहा,कि सरदार वल्लभ भाई पटेल ने देश की अखण्डता एवं एकता के लिए जो कार्य किया है, वह हमेशा याद रहेगा। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रदेश सरकार ने विशेष ध्यान दिया है। लाड़ली लक्ष्मी, लाड़ली बहना, जैसी कल्याणकारी योजनाएं मॉ, बहनों का सम्मान बढ़ा रही है।

विधायक श्री दिलीप सिह परिहार ने कहा, कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने में युवा शक्ति की अहम भूमिका है, युवाओं को स्वामी विवेकानंद जी के आर्दशों पर चलकर आगे बढ़ना है। उन्होने कहा, कि सरकार ने नौकरियों में महिलाओं को आरक्षण का लाभ दिया है। साथ ही नगरीय निकायों और पंचायतों के निर्वाचन में महिलाओं को आरक्षण देकर सत्ता में उन्हे भागीदार बनाया है। मातृशक्ति आज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है। कार्यक्रम को नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती स्वाति चौपड़ा एवं श्रीमती वंदना खण्डेलवाल ने भी सम्बोधित किया।

इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने सरदार श्री पटेल के अखण्ड भारत निर्माण पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। प्रारंभ में अतिथियों ने मॉ सरस्वती की प्रतिमा एवं भारत माता की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम का संचालन श्री आदित्य मालू, श्री राकेश जैन एवं श्री हेमन्त हरित ने किया।

इस अवसर पर श्री मोहनसिह राणावत, श्री नरेन्द्र मालवीय, श्री निलेश पाटीदार एवं जनप्रतिनिधि, पार्षदगण, महिला जनप्रतिनिधि, त्रिस्तरीय पंचायतों के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में मातृशक्ति एवं युवाशक्ति, उपस्थित थी।

दिल्ली ब्लास्ट के बाद पुलिस अधिकारियों की बैठक, संदिग्ध से पूछताछ के निर्देश

नीमच । दिल्ली में हुए बम ब्लास्ट की घटना के बाद नीमच पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल ने मंगलवार शाम को बैठक बुलाई। इसका उद्देश्य जिले में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना था। इसमें जिले के सभी राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों और चौकी प्रभारियों ने भाग लिया। एसपी जायसवाल ने अधिकारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्रों में पूर्ण सतर्कता बरतने और कानून व्यवस्था बनाए रखने के सख्त निर्देश दिए। एसपी अंकित जायसवाल ने निर्देशित किया कि रेलवे स्टेशनों, बस स्टैंड और शॉपिंग मॉल्स जैसे भीड़-भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों पर तत्काल सर्चिंग अभियान चलाकर संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की जाए। सुरक्षा की दृष्टि से अति-संवेदनशील विस्फोटक मैग्जीनों के स्टॉक का मिलान करने और गड़बड़ी पाए जाने पर कानूनी कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए गए।

हरीश शर्मा बने भारतीय मानवाधिकार आयोग सहकार ट्रस्ट के नीमच जिला अध्यक्ष

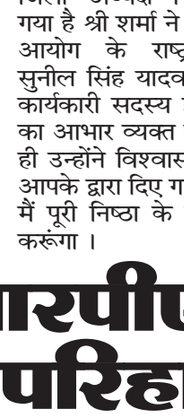

सिंगोली 11 नवम्बर (निप्र)। भारतीय मानवाधिकार आयोग सहकार ट्रस्ट के नीमच जिला अध्यक्ष पद पर सिंगोली निवासी हरीश शर्मा को नियुक्त किया गया है आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील सिंह यादव ने उज्जैन संभाग कार्यकारी सदस्य ज्ञानचंद शर्मा की अनुशंसा पर सिंगोली निवासी गुर्जरगौड़ ब्राह्मण महासभा के जिला अध्यक्ष हरीश शर्मा को मानवाधिकार आयोग सहकार ट्रस्ट का नीमच जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है श्री शर्मा की नियुक्ति पर पूरे नीमच जिले साथ ही सिंगोली क्षेत्र में हर्ष की लहर है श्री शर्मा के इष्ट मित्रों ने इस नियुक्त पर शुभकामनाएं और बधाइयां प्रेषित की है श्री शर्मा के सामाजिक धार्मिक और मानवता के प्रति किए गए कार्यों को देखते हुए उनको नीमच जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है श्री शर्मा ने मानवाधिकार आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील सिंह यादव और संभाग कार्यकारी सदस्य ज्ञानचंद शर्मा का आभार व्यक्त किया है साथ ही उन्होंने विश्वास दिलाया कि आपके द्वारा दिए गए दायित्व का मैं पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करूंगा ।

वल्लभभाई पटेल ने ही नीमच के सीआरपीएफ को उसका नाम दिया था - विधायक परिहार

नीमच । राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी ने 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन किया। यह देश के पहले गृहमंत्री और 'लौह पुरुष' सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर हुआ। यह दौड़ शुक्रवार सुबह शहर के लायंस पार्क से शुरू हुई और सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा स्थल पर समाप्त हुई। इसमें बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय एकता का संदेश देते हुए हिस्सा लिया।

वल्लभभाई पटेल की मूर्ति पर किया माल्यार्पण – प्रतिमा स्थल पर पहुंचकर सभी उपस्थित कार्यकर्ताओं ने सरदार वल्लभभाई पटेल की मूर्ति पर माल्यार्पण किया और उनके राष्ट्र निर्माण में किए गए कार्यों को याद किया। इस अवसर पर विधायक दिलीप सिंह परिहार ने अपने संबोधन में सरदार पटेल के महत्वपूर्ण योगदानों को रेखांकित किया।विधायक परिहार ने बताया कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने ही नीमच के सीआरपीएफ को उसका नाम दिया था। उन्होंने आजाद भारत में पुरानी रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर 'अखंड भारत' के निर्माण में ऐतिहासिक भूमिका निभाई थी। इस कार्यक्रम में विधायक दिलीप सिंह परिहार के साथ भाजपा जिला अध्यक्ष वंदना खंडेलवाल, आदित्य मालू, राकेश पप्पू जैन, किरण शर्मा, हेमलता धाकड़, मंडल अध्यक्ष दारा सिंह यादव, मोहन सिंह राणावत, मदन गुर्जर, किशोरदास बैरागी, महेंद्र भटनागर, हेमंत हरित, सतीश हांस, रोशन वर्मा, सत्यनारायण गोयल, मनोज माहेश्वरी, दीपक नागदा सहित कई अन्य भाजपा कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

पाटीदार समाज ने निकाली वाहन रैली, प्रतिमा पर माल्यार्पण किया – नीमच में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर नीमच जिला पाटीदार समाज

संगठन, पाटीदार समाज महिला संगठन और सरदार पटेल युवा संगठन ने संयुक्त रूप से वाहन रैली का आयोजन किया।

यह रैली शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे ग्वालटोली स्थित पाटीदार छात्रावास से डीजे की धुन पर शुरू हुई। इसमें पाटीदार समाज के महिला और पुरुष सदस्यों ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

रैली शहर के विभिन्न मुख्य मार्गों से होते हुए आगे बढ़ी और दोपहर लगभग 1 बजे सीआरपीएफ कैम्प के सामने स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा स्थल पर पहुंची। यहां समाज के पदाधिकारियों और सदस्यों ने प्रतिमा पर श्रद्धापूर्वक माल्यार्पण किया। इस दौरान राष्ट्र निर्माण में सरदार पटेल के अतुलनीय योगदान को याद किया गया। माल्यार्पण कार्यक्रम के बाद, वाहन रैली पुनः पाटीदार छात्रावास लौटकर शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

ड्राइविंग के क्षेत्र में दो तरह से कॅरियर बनाया जा सकता है। मसलन, आप स्वयं के व्यवसाय के स्वामी और चालक हो सकते हैं। इसके लिए आप ओला और उबर के तहत पंजीकृत कुछ टैक्सी प्राप्त करें और इस उद्योग के माध्यम से भी अच्छी कमाई करें।

कॅरियर के लिए अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है ड्राइविंग

ड्राइविंग एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें कॅरियर बनाने के बारे में शायद ही कोई युवा सोचता हो। यकीनन यह कोई फुल टाइम प्रोफेशन नहीं है लेकिन फिर भी अगर आप इसे एक कॅरियर या व्यवसाय के रूप में देखते हैं तो इसमें भी आपके विकास की अपार संभावनाएं मौजूद है। यह उन लोगों के लिए एक अच्छा कॅरियर ऑप्शन साबित हो सकता है, जो बहुत अधिक पढ़े-लिखे नहीं है, लेकिन फिर भी अच्छी आमदनी करके एक बेहतर जिन्दगी जीना चाहते हैं। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि ड्राइविंग के क्षेत्र में कॅरियर बनाकर आप किस तरह अपने सपनों को पूरा कर सकते हैं-

ऐसे बनाएं कॅरियर

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि ड्राइविंग के क्षेत्र में दो तरह से कॅरियर बनाया जा सकता है। मसलन, आप स्वयं के व्यवसाय के स्वामी और चालक हो सकते हैं। इसके लिए आप ओला और उबर के तहत पंजीकृत कुछ टैक्सी प्राप्त करें और इस उद्योग के माध्यम से भी अच्छी कमाई करें। इसके अलावा अगर आपके पास पर्याप्त पैसा नहीं है तो इस स्थिति में आप कुछ ओला व उबर आदि में बतौर कार चालक अपने कॅरियर की शुरूआत कर सकते हैं।

योग्यता

यह एक ऐसा क्षेत्र नहीं है, जिसके लिए किसी खास प्रोफेशनल डिग्री की आवश्यकता हो। आपको बस एक वाणिज्यिक ड्राइविंग लाइसेंस की आवश्यकता है और फिर कई ड्राइविंग स्कूल हैं जो आपको अपने आसपास के क्षेत्र में मिलेंगे। आप वहां से ड्राइविंग का प्रशिक्षण ले सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

अगर आप सच में अपने कॅरियर को ग्रोथ देना चाहते हैं तो इसके लिए आपमें कुछ स्किल्स का होना बेहद आवश्यक है। सबसे पहले तो आपको बेहद अच्छी तरह से कार ड्राइव करनी आनी चाहिए। यह आपके कॅरियर के लिए सबसे पहली और जरूरी शर्त है। इसके अलावा आप जिस शहर में हैं, वहां की सड़कों की आपको अच्छी जानकारी होनी चाहिए। वैसे इन दिनों जीपीएस के जरिए भी रास्तों के बारे में पता लगाया जा सकता है। वहीं आपमें बेहतर कम्युनिकेशन स्किल होना भी बेहद आवश्यक है। सारा दिन आपकी गाड़ी में कई कस्टमर आएंगे, आपका उनके प्रति व्यवहार कैसा होगा, इस पर काफी कुछ निर्भर करता है।

संभावनाएं

इस क्षेत्र में कॅरियर ग्रोथ काफी अच्छी है। सबसे पहले तो आप ओला व उबर के अलावा कई ड्राइविंग कंपनियों में बतौर ड्राइवर काम कर सकते हैं। इसके अलावा अगर आप चाहें तो ड्राइविंग इंस्टीट्यूट में बतौर टेनर भी काम कर सकते हैं और दूसरे लोगों को कार चलाना सिखा सकते हैं। इसके अलावा कुछ लोगों को पर्सनल कार ड्राइवर की जरूरत होती है, आप उनके लिए भी काम कर सकते हैं। वहीं खुद भी कार या टैक्सी लेकर उसे ड्राइव कर सकते हैं। इस तरह आप खुद ही मालिक बन सकते हैं।

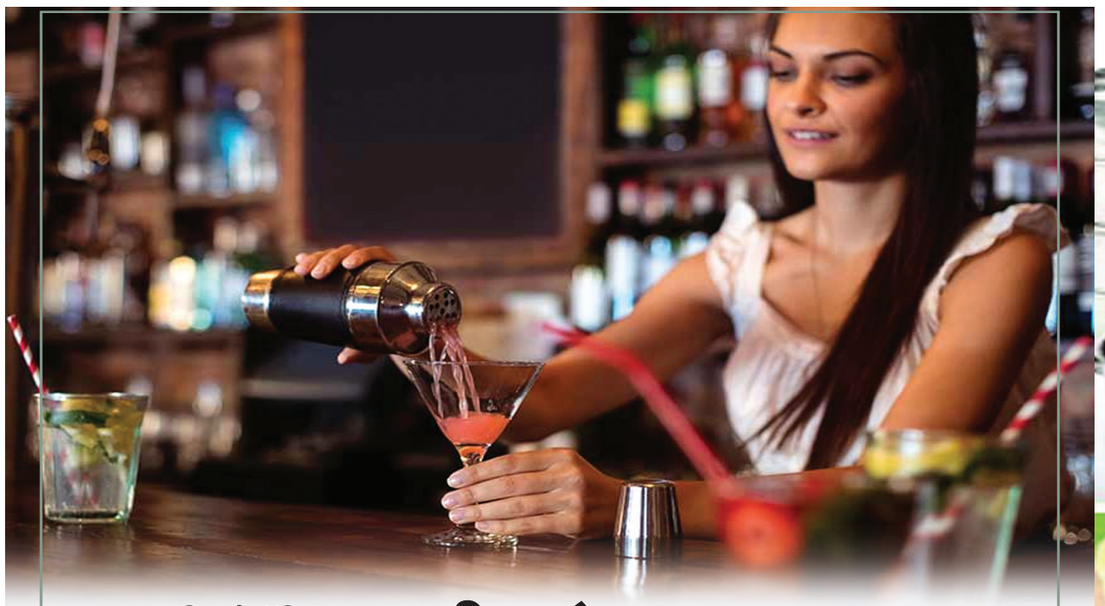

एक अच्छा मिक्सोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छा श्रोता होना व फ्रेंडली होना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा एक्यूरेसी, बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्गेनाइजेशन स्किल्स, एनर्जेटिक, फलेक्सिबिलिटी, टीमवर्क, व क्रिएटिविटी जैसे गुण आपके काम को आसान बनाते हैं।

लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो मिक्सोलॉजी में देख सकते हैं अपना कॅरियर

अगर आप उनमें से हैं, जिन्हें नौ से पांच की जॉब करना अच्छा नहीं लगता। आप अपनी लाइफ में लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो ऐसे में मिक्सोलॉजी के क्षेत्र में अपना कॅरियर देख सकते हैं। यह एक बेहद ही डिफरेंट कॅरियर ऑप्शन है। एक मिक्सोलॉजिस्ट एक व्यक्ति है जो कॉकटेल और मिश्रित पेय बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के मादक पेय और अन्य सामग्री को मिलाता है। आमतौर पर लोग मिक्सोलॉजिस्ट को बारटेंडर ही समझते हैं, लेकिन इनमें अंतर है। बारटेंडर केवल बार में होते हैं और केवल पहले से मौजूद डिंक्स को ही बनाते हैं। जबकि मिक्सोलॉजिस्ट कई नए तरह के कॉकटेल बनाता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको इस कॅरियर के बारे में बता रहे हैं-

क्या होता है काम

एक मिक्सोलॉजिस्ट का काम बारटेंडर की तुलना में अधिक विस्तृत होता है। वे कई तरह की डिंक्स को मिक्स करके एक नया पेय पदार्थ बनाने के अलावा, बार को आर्गेनाइज करना, कस्टमर्स को नए डिंक्स के बारे में बताना और उन्हें एंटरटेन करना, नए पेय पदार्थों का सुझाव देना और मेन्यू में कुछ नए पेय पदार्थों को शामिल करना होता है। यह एक ऐसी जॉब है, जिसमें आप हर दिन कुछ नए एक्सपेरिमेंट करते हैं और खुद को एक्सप्लोर करते हैं। हालांकि यहां पर काम के कोई निश्चित घंटे नहीं होते।

स्किल्स

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि एक अच्छा मिक्सोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छा श्रोता होना व फ्रेंडली होना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा एक्यूरेसी, बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्गेनाइजेशन स्किल्स, एनर्जेटिक, फलेक्सिबिलिटी, टीमवर्क, व क्रिएटिविटी जैसे गुण आपके काम को आसान बनाते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए किसी निश्चित डिग्री का होना आवश्यक नहीं है। आपके स्वाद की समझ ही आपको आगे लेकर जाती है। हालांकि, ज्यादातर कंपनियां ऐसे मिक्सोलॉजिस्ट को पसंद करती हैं जिनके पास बारटेंडिंग लाइसेंस होता है। उम्मीदवार किसी भी कंपनी में अल्पकालिक भुगतान प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लेकर प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

संभावनाएं

यकीनन यह एक अलग कॅरियर क्षेत्र है, लेकिन फिर भी अगर आप अपने काम में अच्छे हैं तो आपके पास काम की कोई कमी नहीं होने वाली है। आप बार या रेस्टोरेंट के अलावा, क्लब, पब, होटल, टैवर्न आदि में बेहद आसानी से काम कर सकते हैं। इसके अलावा कुछ कंपनियां फूड एंड बेवरेज शो या फिर कई मार्केटिंग इवेंट्स में अपनी सर्विसेज देने के लिए भी मिक्सोलॉजिस्ट को हायर करती हैं। इस तरह के इवेंट्स में आप अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं।

आमदनी

एक मिक्सोलॉजिस्ट की सालाना पूरी तरह से उस क्लब / रेस्तरां / बार पर निर्भर करेगा जिस पर वह काम कर रहा है। फिर भी शुरूआती दौर में आप दो से तीन लाख रूपए सालाना आसानी से कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, लखनऊ
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कोलकाता
- इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, अहमदाबाद
- नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, नोएडा
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, मुंबई
- इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमैंट कैटरिंग टैक्नोलॉजी- एप्लाईड नुट्रीसन, कोलकाता
- सेंटमेरी कॉलेज, बैंगलोर
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, शिमला

कैसे बनें लेखपाल? जानें योग्यता, एग्जाम पैटर्न, सैलरी व सभी जानकारी

लेखपाल राजस्व विभाग यानी रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अंतर्गत काम करते हैं। लेखपाल को कुछ राज्यों में पटवारी, पटेल, कारनाम अधिकारी, शानबोगरु आदि नाम से जाना जाता है। यह एक सरकारी नौकरी है और इसमें जॉब सिक्योरिटी, पेंशन, पीएफ जैसे लाभ मिलते हैं।
आजकल अधिकतर युवा सरकारी नौकरी करना चाहते हैं। लेकिन सरकारी नौकरी पाना इतना आसान नहीं हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसी सरकारी नौकरी के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके लिए आपको ज्यादा मेहनत करने की जरुरी नहीं है। आज हम आपको बताएंगे कि आप लेखपाल कैसे बन सकते हैं - लेखपाल राजस्व विभाग यानी रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अंतर्गत काम करते हैं। लेखपाल को कुछ राज्यों में पटवारी, पटेल, कारनाम अधिकारी, शानबोगरु आदि नाम से जाना जाता है। यह एक सरकारी नौकरी है और इसमें जॉब सिक्योरिटी, पेंशन, पीएफ जैसे लाभ मिलते हैं। आजकल युवाओं में इस पद की डिमांड बहुत ज्यादा है। लेखपाल बनने के लिए अभ्यर्थी को लिखित परीक्षा के साथ-साथ इंटरव्यू देना होता है।
लेखपाल दो तरह के होते हैं - राजस्व लेखपाल और चकबंदी लेखपाल। राजस्व लेखपाल आवासीय और व्यावसायिक जमीन से जुड़े काम देखते हैं और राजस्व लेखपाल आवासीय और व्यावसायिक जमीन से जुड़े काम देखते हैं।

योग्यता

- आपको किसी भी स्ट्रीम से बारहवीं पास होना चाहिए। मिनिमम परसेंटेज की कोई शर्त नहीं होती।
- उम्मीदवार के पास कम्प्यूटर कोर्स का सर्टिफिकेट होना जरूरी है।

आयु सीमा

लेखपाल बनने के लिए अभ्यर्थी की आयु 18 वर्ष और 40 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को नियमानुसार आयु में छूट प्रदान की जाती है।

लेखपाल बनने की परीक्षा

लेखपाल बनने के लिए लिखित परीक्षा और इंटरव्यू ये दो चरण होते हैं। लिखित परीक्षा 100 नंबर की होती है। इसके लिए 90 मिनट दिए जाते हैं। इसमें माइनस मार्किंग नहीं होती। परीक्षा में हिन्दी, सामान्य ज्ञान, गणित और ग्राम समाज और विकास के प्रश्न पूछे जाते हैं। हर सेक्शन में 25-25 प्रश्न होते हैं। लेखपाल की परीक्षा के लिए सामान्य ज्ञान, हिंदी सामान्य गणित और सामाजिक जीवन से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं। लिखित परीक्षा में पास होने वाले अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है। लिखित परीक्षा और इंटरव्यू दोनों को मिलाकर जो भी मार्क्स मिलते हैं उसी के आधार पर लेखपाल को चुना जाता है।

सैलरी

एक लेखपाल की सैलरी 5200-20200 रूपए प्रतिमाह पे-ग्रेड के अनुसार होती है। लेखपाल एक क्लेरिकल पोस्ट है जो ग्रुप सी के अंतर्गत आती है।

टिफिन सर्विस का बिजनेस शुरू कर कमा सकते हैं लाखों

साफ-सफाई का खास ध्यान रहे और खाना बनाने से लेकर टिफिन डिलीवरी करने वाला व्यक्ति भी नीट और क्लीन रहे। साथ ही टिफिन बॉक्स में बेहतर क्वालिटी का हो, ताकि थाने के संदर्भ में अच्छी राय बने। टिफिन बॉक्स में खाना पैक करते समय इधर-उधर नहीं गिरना चाहिए।

कोरोनावायरस अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है और इस दौर में कई जमे जमाए बिजनेस और दूसरे प्रोफेशनों की कमर टूट चुकी है। कई लोगों की इस आपदा में नौकरी गई है तो कई लोगों का बिजनेस चौपट हुआ है। सबसे अधिक असर पड़ने वाली इंडस्ट्रीज में, फूड इंडस्ट्री पर निश्चित रूप से बड़ा असर पड़ा है। होटल, ढाबे जहां पर लोग इकट्ठे होकर खाना खाते थे, वहां बिजनेस जबरदस्त ढंग से प्रभावित हुआ है। पर लोगों की खाना खाने की जरूरतें तो कम नहीं हुई हैं, ऐसे में कई जगहों पर सुरक्षित टिफिन सर्विस एक बेहतर विकल्प के रूप में सामने आ सकता है। आइए देखते हैं इसकी कहां कहां और किस प्रकार उपयोगिता है और आप इसके जरिए किस प्रकार शुरुआत कर सकते हैं और किस प्रकार कमाई कर सकते हैं।

कारोबार को समझना जरूरी

ध्यान रखने वाली बात यह है कि बिजनेस चाहे कोई भी हो, किंतु उसे समझना एवं प्रबंधित करने का ढंग आपको वास्तविक रुप से उसका फायदा दिलाता है। अगर आप किसी बिजनेस को ठीक ढंग से मैनेज कर पाते हैं तो भारी मुनाफा और अच्छी क्रेडिबिलिटी हासिल कर सकते हैं। आखिर यूं ही तो आईआईएम से बड़े संस्थानों से निकले लोग सब्जी बेचकर या कोई छोटा मोटा रोजगार करके, या फिर खेती करके लाखों नहीं कमाते हैं? उनके कमाने के उदाहरणों से प्रबंधन के गुणों को सीखना जरूरी है।
कारोबार को प्रबंधित करने से पहले कारोबार को समझना और ग्राउंड वर्क करना जरूरी है। आप जिस भी क्षेत्र में रहते हों, आस पास अगर कोई टिफिन सर्विस चलती है तो उसके पास खुद एक ग्राहक बनकर जाएँ और देखें कि वहां पर किस प्रकार से आपको टिफिन दी जाती है, उसके रेट क्या है, सब्जी इत्यादि की वैरायटी क्या है, अलग-अलग दिनों में वेज और नॉनवेज का कॉम्बिनेशन क्या है? इतना ही नहीं, खाने की क्वालिटी कैसी है, डिलीवरी की टाइमिंग इत्यादि किस प्रकार से मैनेज किया जाता है, इन सब बातों को जब एक ग्राहक के तौर पर समझने की कोशिश करेंगे, तो आपको इसकी बारीकियां समझ आ जायेंगी।

कस्टमर मैनेजमेंट और मार्केटिंग

यह एक बेहद महत्वपूर्ण फैक्टर है। जब आप एक कारोबार को समझ लेते हैं और ग्राउंड वर्क कर लेते हैं तो आपके सामने बड़ी चुनौती आती है कि कस्टमर आप किस प्रकार से ढूँढें? तो इसके लिए आपको एडवर्टाइजमेंट करना पड़ेगा। इसके लिए आप खुद कैनवा जैसी ऑनलाइन सर्विस का प्रयोग करके अपनी टिफिन सर्विस का बैनर बना लें और व्हाट्सएप पर शेयर करें, खासकर उन कांटेक्ट में, जिस एरिया में आप बिजनेस करना चाहते हैं। शुरुआत में अगर आप के जानकार और आपके परिचित पहले ग्राहक बनते हैं, तो यह सबसे उत्तम होगा। एक तो ऑलरेडी वह आपको जानते हैं और दूसरे शुरू में विश्वास बनाने में आपको आसानी हो जाएगी। यह कार्य व्हाट्सएप पर आप आसानी से कर लेंगे, किंतु सिर्फ जानकारों में आप यह कार्य बढ़ा नहीं पाएंगे। कारोबार बढाने के लिए आपको पंपलेट छपवाने पड़ेंगे और आसपास के एरिया में डिस्ट्रीब्यूटर करना पड़ेगा। वह हॉस्टल हो सकता है, कंपनी हो सकती है, या कोई लोकलिटी हो सकती है। कस्टमर जब आपके बनने लगेंगे, तो उसको प्रबंधित करने में और क्वालिटी देने में आप चूक ना करें। ध्यान रखें, यह 21वीं सदी है और यहां पर जितनी बेहतरीन क्वालिटी और सर्विस आप देंगे, आपके ग्रो करने की संभावना उतनी ही अधिक होगी। कम लागत के लिए पहले एकाध कस्टमर से ही शुरू करें, और अनुभव के साथ महीने बाद कारोबार को गति दें।

ध्यान रहे कि यह बिजनेस ना केवल शहर में, बल्कि छोटे-छोटे कस्बों और यहां तक कि गांव तक में चलने लगा है। गांव में कई घरों में बुजुर्ग व्यक्ति होते हैं, जो अकेले होते हैं। उनके बच्चे दूर शहरों में रोजी रोटी के लिए गए होते हैं, तो उनके लिए भी यह बेहद उपयोगी सर्विस है। ऐसे में निश्चित रूप से आपको इससे पुण्य और पैसा दोनों मिल सकता है।

कुछ महत्वपूर्ण बातें

- साफ-सफाई का खास ध्यान रहे और खाना बनाने से लेकर टिफिन डिलीवरी करने वाला व्यक्ति भी नीट और क्लीन रहे। साथ ही टिफिन बॉक्स में बेहतर क्वालिटी का हो, ताकि थाने के संदर्भ में अच्छी राय बने। टिफिन बॉक्स में खाना पैक करते समय इधर-उधर नहीं गिरना चाहिए।
- मेन्यू अपडेट करते रहें। साथ ही ध्यान रखें कि स्वाद के चक्कर में ऐसा नहीं होना चाहिए कि कस्टमर के हेल्थ से समझौता हो जाए। कल्पना करें कि अगर कोई खाना खाने के बाद कस्टमर का पेट खराब हो जाता है या उसे अन हेल्दी फील होता है तो आप अपने ग्राहक खो देंगे। हां! स्वाद के लिए अपने मैन्यू में आप कोई मिठाई या दूसरी चीजें अपडेट करते रह सकते हैं।
- कस्टमर के फीडबैक के आधार पर किसी दिन उसकी पसंद का मैन्यू जरूर बना सकते हैं। त्यौहार इत्यादि के दिन पूरी या ऐसी दूसरी लोकल डिश कस्टमर को टेस्ट करा सकते हैं, पर यह कस्टमर के फीडबैक के आधार पर ही होना चाहिए।
- समय का पालन बहुत जरूरी है। अगर सुबह ब्रेकफास्ट 8:00 बजे पहुंचाते हैं, तो यह किसी हालत में 8 से लेट नहीं होना चाहिए, बहुत पहले भी नहीं होना चाहिए। समय पर डिलीवरी आपके बारे में एक बेहतरीन राय कायम करेगी। अगर किसी कारण वश देरी होने की सम्भावना है तो व्हाट्सअप या कॉल पर कस्टमर को अपडेट जरूर कर दें।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 70664886

गोचर भूमि पर प्रस्तावित टेक्सटाइल मिल को लेकर बढ़ा जनआक्रोश
आंदोलनकारियों का प्रशासन पर दमन व फर्जी प्रकरण दर्ज करने का आरोप

जावद। क्षेत्र के मोरवन में प्रस्तावित टेक्सटाइल मिल को लेकर ग्रामीणों और किसान संगठनों का विरोध लगातार तेज होता जा रहा है। किसान नेता पूरणमल अहीर के नेतृत्व में ग्रामीणों ने प्रशासन पर शांतिपूर्ण आंदोलन को दबाने, फर्जी मुकदमे दर्ज करने और जनहित की अनदेखी करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। धरने को संबोधित करते हुए पूरणमल अहीर ने कहा कि 'यह आंदोलन रोजगार या उद्योग के विरोध में नहीं, बल्कि ग़ैर-उपयुक्त स्थान पर लगाए जा रहे उद्योग के विरोध में है, जो जल स्रोत, गोचर भूमि और पर्यावरण के लिए घातक सिद्ध होगा।

जल स्रोत और आबादी पर संकट - ग्रामीणों के अनुसार, प्रस्तावित मिल मोरवन डैम से मात्र 50 मीटर दूरी पर स्थित है। इसी बांध से जावद नगर की 25,000, सरवानिया की 12,000 की आबादी सहित 30 से अधिक गांवों को पेयजल और सिंचाई जल उपलब्ध होता है। आंदोलनकारियों का कहना है कि कपड़ा प्रोसेसिंग उद्योग में भारी मात्रा में केमिकल युक्त पानी निकलता है, जिससे डैम, भूजल और कृषि भूमि के दूषित होने का गंभीर खतरा है।

संवेदनशील क्षेत्र में उद्योग की स्थापना पर आपत्ति - विरोधकर्ताओं के अनुसार, जिस भूमि पर मिल प्रस्तावित है वह गोचर (चरागाह) भूमि है, और उसके आसपास पेयजल टंकी (महज 30 मीटर दूरी), शासकीय स्कूल, बालक-बालिका छात्रावास पंचायत कार्यालय, गौशाला, वन विभाग कार्यालय स्थित हैं, जो औद्योगिक गतिविधि के लिए इसे पूरी तरह अनुपयुक्त बनाते हैं।

शांतिपूर्ण आंदोलन पर दमन के आरोप - किसान नेता अहीर ने 3 तारीख की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि ग्रामीण शांतिपूर्वक कलेक्टर कार्यालय ज्ञापन देने जा रहे थे, तभी प्रशासन द्वारा रास्ते में बारबार रोका गया। आरोप है कि पुलिस द्वारा ट्रैक्टर रोकने से लगभग डेढ़ घंटे तक सड़क अवरुद्ध रही, और बाद में इसी स्थिति का दोष आंदोलनकारियों पर डालते हुए मुकदमे दर्ज कर दिए गए। उन्होंने इसे शांतिपूर्ण आंदोलन को बदनाम करने की साजिश बताया।

खुदाई, पत्थर परिवहन और रॉयल्टी उल्लंघन का आरोप - ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि मिल की बाउंड्री निर्माण के लिए डैम क्षेत्र से 5,000 से अधिक ट्रॉली पत्थर बिना अनुमति और रॉयल्टी के उठाए गए, और इस शिकायत पर एक माह बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई।

भूमि उपयोग, मंदिर भूमि और नामांतरण को लेकर भी गंभीर दावे - आंदोलनकारियों द्वारा मंच से आरोप लगाया गया कि धार्मिक स्थान की भूमि को लेकर भी दस्तावेजी हेराफेरी और अनाधिकृत कब्जे जैसे प्रकरण सामने आए हैं, जिनकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

पूरणमल अहीर का वक्तव्य - "हम रोजगार के खिलाफ नहीं हैं, हम विनाश के खिलाफ हैं। हम चाहते हैं कि उद्योग ऐसे स्थान पर लगे जहाँ न जल स्रोत को खतरा हो, न पर्यावरण को, और न जनता के स्वास्थ्य को। गौ सेवा और मानव जीवन की रक्षा हमारा कर्तव्य है और इसके लिए हमारा संघर्ष शांतिपूर्ण रूप से जारी रहेगा।" उन्होंने जनता से भ्रामक प्रचार से सावधान रहने और सत्य व पर्यावरण संरक्षण की लड़ाई में साथ देने की अपील की।

प्रशासन से प्रमुख मांगें - 1. मिल को संवेदनशील क्षेत्र से हटाया जाए। 2. दर्जकिए गए प्रकरणों की निष्पक्ष जांच हो। 3. डैम क्षेत्र से पत्थर उत्खनन मामले की जांच हो। 4. जनहित और पर्यावरण सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। क्षेत्र में यह मुद्दा अब केवल स्थानीय विरोध तक सीमित नहीं, बल्कि जल-पर्यावरण और जनअधिकारों की बड़ी बहस का रूप ले चुका है।

हिंदू धर्म में सभी जाति समान है, सभी जाति महान है - खगेंद्र भार्गव

नीमच। विश्व हिंदू परिषद नीमच जिला इकाई द्वारा रविवार को सामाजिक समरसता विषय पर स्थानीय टाउन हॉल में एक प्रबुद्ध जन संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में विश्व हिंदू परिषद के मालवा प्रांत के संगठन मंत्री खगेंद्र भार्गव ने उद्बोधन दिया।

विश्व हिंदू परिषद के नीमच जिला मंत्री कैलाश मालवीय ने बताया कि इस संगोष्ठी का एक विषय सामाजिक समरसता और दूसरा विषय वर्तनान वैचारिक संघर्ष जो समाज में चल रहा है. के विषयरों पर एक गोष्ठी का आयोजन हुआ।

इसमें हमारा हिंदू शास्त्र, हिंदू संत हिंदू देवी-देवता और परंपरा में सभी जीति समान है, सभी जाति महान है, सभी इस देश के वासी है, सभी हिंदू है, सभी सनातनी हैं और इस प्रकार की चीजों के बारे में, इस देश में भेदभाव, अस्पृश्यता, छुआछूत का कोई स्थान नहीं होना चाहिए, देश में बढ़ते हुए नक्षा, देश में बढ़ता हुए आंतरिक सुरक्षा का खतरा, देश में जनसंख्या असंतुलन, देश के अंदर हम हिंदू नहीं हैं, इस प्रकार की भावना करने वाले जो वैचारिक मुद्दे हैं, इन सारे मुद्दों पर इस गोष्टी मैं चचर्चा हुई। कुछ देश की एकता और अखंडता को तोड़ने वाली शक्तियां हैं, उन सबको यह सारा हिंदू समाज स्वीकार नहीं करेगा और उन सब पर भी वैचारिक विजय यह हिंदू समाज प्राप्त करेगा और देश को किर से अखंड, गौरवशाली, वैभवशाली, सामथ्र्य संपन्न, समररा बनाने का संकल्प सभी हिंदुओं ने लिया।

आयोजन में महंत योगी लालनाथजी महानाज, पीठाधीश्वर आसन दरियानाथ सिद्ध पीठ, महंत गोवर्धननाथजी योगी मुख्य अतिथि रहे, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के बरिष्ठ प्रचारक विश्व हिंदू परिषद के मालवा प्रोत संगठन मंत्री खगेंद्र भार्गव मुख्य वक्ता और अध्यक्षता समाजसेवी डॉ. किशोर नरूला ने की।

इस दौरान विभाग संगठन मंत्री अभिषेक उदेनिया, विभाग मंत्री अनुपालसिंह झाला, जिला सामाजिक समरसता प्रमुख दिनेश शमी, विशेष संपर्क प्रमुख जगपाल फरक्या सहित नीमच मंदसौर जिले के विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, मातृशक्ति दुर्गा वाहिनी के पदाधिकारी व कार्यकर्तागण मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन बजरंगदल जिला संयोजक दुर्गेश धनगर ने किया, वहीं आभार जिला मंत्री कैलाश मालवीय ने माना।

मकान 8 लाख में बिकवाने की बात कहकर 2100 दिए, जनसुनवाई में बुज़ुर्ग दपंती ने की शिकायत,

नीमच। कलेक्टर कार्यालय में मंगलवार को जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इसमें कलेक्टर हिमांशु चंद्र ने 82 आवेदकों की समस्याओं को सुना और उनके निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान धोखाधड़ी, सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा और करोड़ों रुपए की राजस्व चोरी जैसे गंभीर मामले सामने आए।

जनसुनवाई में गिरदौड़ा निवासी बुजुर्ग किशन पिता रतन सिंह अपनी पत्नी के साथ पहुंचे। उन्होंने दलाल अशोक माली पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया। बुजुर्ग के अनुसार, दलाल ने उनका मकान 8 लाख 50 हजार रुपए में बिकवाने की बात कहकर केवल 2100 रुपए दिए। साथ ही, उसी दलाल ने अर्जुन सिंह से 4 लाख रुपए लेकर उसके नाम करने का दावा किया। बुजुर्ग ने धोखेबाजों पर सख्त कार्रवाई की मांग की।

दूसरी शिकायत - इसी प्रकार, माया के घीसालाल धनगर ने शासकीय सर्वे नंबर 665 पर मांगीलाल और अन्य व्यक्तियों पर अवैध कब्जे और भूमि बेचने के प्रयास के आरोप लगाए। शिकायतकर्ता ने बताया कि पूर्व में शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई, जिससे आरोपियों के हौसले बुलंद हैं। उन्होंने शासकीय भूमि पर अवैध निर्माण के लिए खंभे खोद दिए हैं और हरे वृक्षों को भी काट दिया है।

तीसरी शिकायत - मनासा कस्बे में अवैध कॉलोनियों के विकास और बड़े पैमाने पर राजस्व चोरी का मामला भी उजागर हुआ। जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि आर. सागर कछावा ने शिकायत पत्र सौंपकर काईद जोहर टालवाला पर बिना रेरा पंजीकरण और नगर और ग्राम निवेश की अनुमति के अपनी कृषि भूमि पर छोटे भूखंड काटकर बेचने का आरोप लगाया।

इससे स्टाम्प शुल्क और राजस्व कर की भारी चोरी हो रही है, जिससे सरकारी खजाने को करोड़ों रुपए का नुकसान होने का अनुमान है। प्रतिनिधि ने तत्काल वैधानिक कार्रवाई, दंड और अवैध रूप से चोरी किए गए संपूर्ण राजस्व की वसूली की मांग की। कलेक्टर हिमांशु चंद्र ने इस अवसर पर मानवीय पहल करते हुए नीमच निवासी महिला सुनीता देवी को इलाज के लिए 15 हजार रुपए की तात्कालिक आर्थिक सहायता स्वीकृत की। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि महिला का निःशुल्क इलाज और दवाइयां जिला अस्पताल में उपलब्ध कराई जाएं।

नीमच में हो रही पेड़ों की अवैध कटाई
स्थानीय लोगों ने कोर्ट जाने की चेतावनी डिप्टी कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

नीमच। शहर और जिले में बिना अनुमति के हरे-भरे पेड़ों की लगातार हो रही अवैध कटाई को लेकर स्थानीय लोगों ने गहरा आक्रोश व्यक्त किया है। मंगलवार दोपहर को लोगों ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर डिप्टी कलेक्टर चंद्र सिंह धारवे को एक ज्ञापन सौंपा।

आरोप लगाया है कि नीमच नगरीय क्षेत्र सहित पूरे जिले में अवैधानिक तरीके से पेड़ों की कटाई हो रही है। उनकी निरंतर शिकायतों के बावजूद, अवैध कटाई करने वालों के खिलाफ जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है, जिससे पर्यावरण प्रेमी आक्रोशित हैं। लोगों ने मांगों में कहा कि जहां प्रधानमंत्री 'एक पेड़ मां के नाम' रोपित करने का संदेश दे रहे हैं, वहीं यह अवैधानिक कटाई पर्यावरण को नष्ट कर रही है। 29 सितंबर को भी मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रस्तुत किया जा चुका है। तहसील जीरन के अंतर्गत आने वाली शासकीय नर्सरी, जो हर्कियाखाल डेम के पास स्थित है, में भी नियमों का पालन किए बगैर बड़े-बड़े विशाल गूलर, इमली, नीम, नीलगिरी आदि के 15 से 20 मीटर ऊंचाई के पेड़ों को छंटनी करने की बजाय जड़ तने सहित काटकर लकड़ी माफिया को लगभग 20 से 25 ट्राली बेचने का गंभीर आरोप लगाया है। संस्था सदस्यों ने मौके पर जाकर फोटोग्राफ और वीडियोग्राफी भी करवाई, जिसमें काटे गए तनों को मिट्टी डालकर छिपाने की बात सामने आई। ज्ञापन में प्रशासन से अनुरोध किया गया है कि अवैध तरीके से हरे-भरे पेड़ काटने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए और शिकायत किए गए मामलों पर तत्काल जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करें। संस्था ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यह उनका अंतिम ज्ञापन है और यदि इस संबंध में कार्रवाई नहीं हुई तो संस्था को भविष्य में न्यायालय की शरण में उचित कार्रवाई हेतु जाने के लिए विवश होना पड़ेगा।

पत्नी को पीटा, केस दर्ज

पिपलिया मण्डी (निप्र)। बरखेड़ापंथ निवासी सीताबाई गायरी ने मल्हारगढ़ थाने पर रिपोर्ट दर्ज कराई कि मेरा पहले पति से तलाक होने के बाद बरखेडापंथ निवासी मथुरालाल गायरी के साथ नातरा हुआ था। मैं सुबह घर पर झाड़ु निकाल रही थी, इस दौरान पति ने कहा कि तू और तेरे दोनों बेटों का घर पर कोई अधिकार नही है। घर से निकल जाओ। पति ने गाली-गलौज की व मारपीट की।

नीमच मेडिकल कॉलेज छात्रों का प्रदर्शन
4 KM दूर ड्यूटी, सड़क निर्माण से परेशानी, नियमित बस सेवा की मांग

नीमच। वीरेंद्र कुमार सखलेचा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के द्वितीय वर्ष के छात्रों ने मंगलवार दोपहर को कलेक्टर कार्यालय में ज्ञापन दिया। इसमें उन्होंने जिला चिकित्सालय नीमच तक आने-जाने के लिए नियमित बस या वाहन सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की है।

छात्रों ने प्रशासन को बताया कि उनकी क्लीनिकल असिस्टिंग ड्यूटी जिला चिकित्सालय नीमच में लगाई गई है। यह अस्पताल महाविद्यालय से लगभग चार किलोमीटर दूर है। वर्तमान में इस दूरी को तय करने के लिए कोई सार्वजनिक या संस्थान द्वारा दी गई वाहन सुविधा उपलब्ध नहीं है, जिससे छात्रों को प्रतिदिन अस्पताल पहुंचने में कठिनाई हो रही है। छात्रों ने यह भी बताया कि महाविद्यालय से अस्पताल को जोड़ने वाली सड़क पर निर्माण कार्य चल रहा है। इससे आवागमन और भी चुनौतीपूर्ण हो गया है, जिससे उन्हें समय पर ड्यूटी पर पहुंचना मुश्किल हो रहा है।

छात्र-छात्राओं ने स्पष्ट किया कि चिकित्सा सेवाओं में कोई व्यवधान न हो और वे अपनी ड्यूटी समय पर निभा सकें, इसके लिए उन्हें नियमित परिवहन सुविधा आवश्यक है। ज्ञापन सौंपते समय बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे। छात्र अब प्रशासन से इस समस्या के शीघ्र समाधान की उम्मीद कर रहे हैं।

भीषण सड़क हादसों पर सुप्रीम कोर्ट ने लिया स्वत: संज्ञान

नई दिल्ली 10 नवम्बर (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट राजमार्गों पर होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को लेकर गंभीर है। शीर्ष अदालत ने पिछले दिनों राजस्थान के फलौदी और तेलंगाना में हुई सड़क दुर्घटनाओं पर स्वतः संज्ञान लेते हुए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने एनएचएआइ और सड़क परिवहन मंत्रालय से हाईवे के किनारे अनधिकृत क्षेत्र में स्थित ढाबों और सड़कों की हालत पर दो सप्ताह में रिपोर्ट मांगी है। सोमवार को मामले पर सुनवाई के दौरान पीठ ने टिप्पणी में कहा कि लगातार दो राजमार्ग दुर्घटनाएं जिसमें करीब 40 लोगों की जान चली गई ये असहनीय है। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति जेके महेश्वरी और विजय विश्नोई की पीठ कर रही है। गत दो नवंबर को राजस्थान के फलौदी में भारतमाला राजमार्ग पर एक भोजनालय के सामने खड़ेट्रक से एक टैंपो ट्रैवलर टकरा गया था। टैम्पो जोधपुर से महिलाओं और बच्चों को लेकर जा रहा था। इस दुर्घटना में 15 लोगों की मौत हुई थी।

नियमित टोल भुगतान के बावजूद राजमार्गों की स्थिति खराब - उसके अगले ही दिन तीन नवंबर को हैदराबाद-बीजापुर राजमार्ग पर एक गड्ठेसे बचने के लिए एक लारी और बस के बीच आमने सामने टक्कर हो गई थी इसमें 19 लोगों की मौत हो गई थी। सोमवार को मामले पर स्वतः संज्ञान लेकर की जा रही सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि मीडिया रिपोर्ट में दोनों दुर्घटनाओं के जो कारण बताए गए हैं उनमें सुविधा क्षेत्र के लिए गैर अधिसूचित स्थानों में स्थित ढाबों पर वाहनों के रुकने के कारण हो रहे हैं। इसके अलावा खराब सड़कें भी कारण हैं।

पीठ ने कहा कि कोर्ट ने कहा गया है कि नियमित टोल भुगतान के बावजूद राजमार्गों की स्थिति खराब थी। जस्टिस महेश्वरी ने कहा कि आम लोगों ने ऐसे अनधिकृत क्षेत्र में ढाबे या भोजनालय खोले हैं जिन्हें सुविधा क्षेत्र के रूप में अधिसूचित नहीं किया गया है।

आज ही बुक करें अपना Zelo इलेक्ट्रिक स्कूटर, घर ले जाए
मात्र रु 45990/- रु 41,990/-
में वो भी 1 साल की बैटरी वारंटी के साथ
मात्र रू.41,990/-
से इलेक्ट्रिक स्कूटर की रेंज से शुरु ...

RTO मॉडल मात्र
रु 81000/- रु 76000/-*
(माइलेज 80-100 कि.मी.)
3 साल बैटरी की वारंटी के साथ
Zelo Electric Scooter
बंगला नं. 23, IDBI बैंक के सामने,
Lic रोड़, नीमच (म.प्र.)
मो. 940742399, 8770664866

12th के बाद
सफर जोश का मंजिल कामयाबी की
MPPSC, SSC, BANK
रेलवे, पुलिस की तैयारी कीजिए
और डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, वाणिज्यिक कर अधिकारी,
SP, DSP, CID इंस्पेक्टर, CBN इंस्पेक्टर, असिस्टेंट कमाण्डेंट,
इन्कम टेक्स इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर,
बैंक क्लर्क, PO, मैनेजर आदि बनिये
22 वर्षों का अनुभव।
1200 से अधिक छात्रों को नौकरी दिला चुके हैं।
सोनी कोचिंग क्लासेस™
ISO 9001 : 2008 Certified
धनीराम सगर मार्केट, गायत्री मंदिर के पास,
भागेश्वर मंदिर रोड, नीमच मो. 9300905061

GYANODAYA UNIVERSITY
& GROUP OF INSTITUTES
ADMISSION ANNOUNCEMENT
FOR THE SESSION 2025-26
Pharmacy: D.Pharm, B.Pharm, M.Pharm
Nursing: B.Sc. Nursing, GNM Nursing, Post Basic Nur.
Paramedical: BPT, BMLT, DMLT, OT/X-Ray
Management: BBA, MBA, B.Com, M.Com
Comp. Science: BCA, MCA, DCA, PGDCA
Engineering: B.Tech (CSE), B.Tech (Elect.), B.Tech (Mech.), B.Tech (Civil), B.Tech (Fire & Safety)
Polytechnic: Electrical, Mechanical, Civil, Comp. Sci.
Agriculture: B.Sc.(Ag)
Veterinary: Diploma in Animal Husbandry
Science: B.Sc. (PCMBZ/Biotech/Microbio/CS), M.Sc. (Maths/CS/Chemistry/Physics/Bio.)
Art & Humanities: BA (Plain/Journalism and mass communication), MA (Hindi/Eng./Psyco./Sociology Political Sci./Eco./Education)
Engineering: M.Tech (CSE/IEM/Energy Tech)
Social Work: BSW, MSW
Lib. Science: B.Lib, M.Lib
Education: B.Ed, D.El.Ed
Hospital Mgmt: MBA in Hospital & Health Care Management
Ph.D: All Subjects
Diploma Courses: YOGA, Diet. & Nutrition
Highest Package 12.75 Lac
Average Package 4.75 Lac
11,000+ Placements
25,000+ Alumni
For Admission & Enquiry
Gram: Kanawati, Neemuch (M.P.)
Call: 98275 50959 | 91797 98821
www.gyanodayauniversity.ac.in | www.gyanodayanmh.in

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला नं. 23, आईडीबीआई बैंक के सामने, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुदित एवं प्रकाशित। सम्पर्क: 9407423966। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।